impact
www.impactmeasurement.co.in

Date : 10-Nov-2008 Edition : Delhi Page No.: 1 Page Name: Front Page Size: 130.33 sq. cm

Sector: Others Circulation: 430857 AVE: Rs.11729.53 Frequency: Daily

Publication: Dainik Jagran - Jagran City Title: Divorce cases are increasing in capital

दैनिक जागरण जागरण सिटी

राजधानी में बढ़ रहे तलाक के मामले

पवन कुमार, नई दिल्ली

महानगर की तेजरफ्तार जिंदगी से रिश्तों में खटास बढ़ रही है। यहां संयुक्त परिवार की व्यवस्था जहां लुप्त हो चुकी है, वहीं एकल परिवार का वर्चस्व कायम हो गया है। ऐसे में लोगों में तनाव, गुस्सा और असहनशीलता बढ़ रही है। जिसके चलते राजधानी में तलाक के मामले बढ़ रहे हैं।

इस समय राजधानी में पति-पत्नी के बीच तलाक और अन्य विवादों से संबंधित लगभग 5 हजार 699 मामले विचाराधीन हैं। जिनमें 3 हजार 119 मामले तीस हजारी कोर्ट में, 1 हजार 203 मामले कड़कड़डूमा कोर्ट में और 1 हजार 377 मामले रोहिणी कोर्ट में चल रहे हैं। यह संख्या पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है। वर्ष 2007 में लगभग 2 हजार तलाक व अन्य वैवाहिक मामले दिल्ली की विभिन्न अदालतों में चल रहे थे। वहीं, अगर बात राजधानी की एकमात्र गार्जियन कोर्ट की की जाए तो पता चलता है कि वहां भी बच्चों की कस्टडी के मामले दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। इस समय वहां लगभग 600 मामले विचाराधीन हैं। गार्जियन कोर्ट में तलाक के बाद बच्चों को किसे सौंपा जाए, इस पर विचार किया जाता है।

आखिर क्यों पैदा होती है रिश्तों में खटास ?

मैक्स अस्पताल के मनोचिकित्सक समीर पारिख का कहना है कि पति-पत्नी के रिश्तों में पैदा होने वाली खटास के मुख्य रूप से चार कारण हैं। पति-पत्नी के रिश्ते में मजबूती और उन्हें आपस में जोड़े रखने में परिवार एक अहम रोल अदा करता है। यह काम संयुक्त परिवार में अधिक अच्छे से हो सकता है। मगर, इस समय एकल परिवार का वर्चस्व हो गया है। दूसरे कारण के बारे में उन्होंने बताया कि आजकल की युवा पीढ़ी में गुस्सा बहुत है और सहनशीलता कम। वे किसी भी स्थिति में समझौते के लिए तैयार नहीं होते। मामूली बात पर ही आपस में लड़ पड़ते हैं। ऐसे में पति-पत्नी के बीच कई बार मामूली कहासुनी या विवाद भी तलाक का कारण बन जाता है। तीसरे कारण के बारे में उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी पर टेलीविजन संस्कृति हावी है। वे दिखाए जाने वाले काल्पनिक पात्रों की जिंदगी को देखकर अक्सर अपने जीवन साथी से बहुत सारी उम्मीदें बांध लेते हैं, जिन्हें असल जिंदगी में शायद ही कोई पूरा कर सके। ऐसे में जब उम्मीदों पर जीवन साथी खरा नहीं उतरता तो रिश्तों में तनाव आता है। यही अलगाव का कारण बनता है। चौथे कारण के बारे में उन्होंने कहा कि आज का युवा वर्ग पढ़ा-लिखा और महत्वाकांक्षी है। किसी भी स्थिति में पति और पत्नी अपने-आपको एक दूसरे से कम नहीं समझते। जिससे रिश्ते में तनाव पैदा होता है।

© Dainik Jagran - Jagran City www.jagran.com